केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 83 बुधवार 14 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कुष्मांडा : सुख–समृद्धि देती हैं मां दुर्गा की चौथी शक्ति

सुरासम्पूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कुष्मांडा शुभदास्तु मे।

नवरात्रि में चौथे दिन देवी को कुष्मांडा के रूप में पूजा जाता है। अपनी मंद, हल्की हंसी के द्वारा अण्ड यानी ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अंधकार ही अंधकार था, तब इसी देवी ने अपने ईष हास्य से ब्रह्मांड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदिस्वरूपा या आदिशक्ति कहा गया है।

इस देवी की आठ भुजाएं हैं, इसलिए अष्टभुजा कहलाईं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष, बाण, कमल–पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है।

इस देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृति में कुम्हड़े को कुष्मांड कहते हैं इसलिए इस देवी को कुष्मांडा। इस देवी का वास सूर्यमंडल के भीतर लोक में है। सूर्यलोक में रहने की शक्ति क्षमता केवल इन्हीं में है। इसीलिए इनके शरीर की कांति और प्रभा सूर्य की भांति ही दैदीप्यमान है। इनके ही तेज से दसों दिशाएं आलोकित हैं। ब्रह्मांड की सभी वस्तुओं और प्राणियों में इन्हीं का तेज व्याप्त है।

अचंचल और पवित्र मन से नवरात्रि के चौथे दिन इस देवी की पूजा–आराधना करना चाहिए। इससे भक्तों के रोगों और शोकों का नाश होता है तथा उसे आयु, यश, बल और आरोग्य प्राप्त होता है। ये देवी अत्यल्प सेवा और भक्ति से ही प्रसन्न होकर आशीर्वाद देती हैं। सच्चे मन से पूजा करने वाले को सुगमता से परम पद प्राप्त होता है।

विधि–विधान से पूजा करने पर भक्त को कम समय में ही कृपा का सूक्ष्म भाव अनुभव होने लगता है। ये देवी आधियों–व्याधियों से मुक्त करती हैं और उसे सुख–समृद्धि और उन्नति प्रदान करती हैं। अंततः इस देवी की उपासना में भक्तों को सदैव तत्पर रहना चाहिए।

एक नजर

पूर्व सहायक सूचना निदेशक डा. दशरथ प्रसाद यादव के निधन पर शोक

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती,। पूर्व सहायक सूचना निदेशक डॉ. दशरथ प्रसाद यादव के निधन पर प्रेस क्लब सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें जिले के पत्रकारों, साहित्यकारों और गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

शोक सभा में उपस्थित लोगों ने डॉ. दशरथ प्रसाद यादव के निधन को पत्रकारिता और सूचना विभाग के लिए अपूरणीय क्षति बताया। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कार्यों को याद करते हुए कहा कि उनका निधन समाज के लिए दुखद है। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

शोक सभा में प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय और महामंत्री महेंद्र तिवारी सहित वरिष्ठ पत्रकार जयंत मिश्रा, पुनीत ओझा, सत्यव्रत द्विवेदी, लवकुश यादव, राकेश चंद्र बिन्नू, सर्वेश कुमार श्रीवास्तव, राघवेंद्र प्रताप सिंह, अनिल श्रीवास्तव, राधाकृष्ण द्विवेदी, हरीश दरवेश, लवकुश सिंह, राघवेंद्र सिंह, रफीक अहमद, मोहम्मद कलीम बबलू, राकेश तिवारी, राजेंद्र कुमार उपाध्याय, सुरेश कुमार सिंह गौतम, प्रमोद कुमार और आदित्य दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

चुनाव आयुक्तों को कानूनी कार्रवाई से मिली छूट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केन्द्र और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों को आधिकारिक कामकाज के लिए मिली कानूनी छूट को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा है। याचिका में इस सुरक्षा को संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के खिलाफ बताया गया है। शीर्ष अदालत ने इस छूट को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर मंगलवार को केंद्र सरकार और भारतीय निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया। अदालत के इस कदम से चुनाव आयुक्तों को मिली कानूनी सुरक्षा और उनकी जवाबदेही से जुड़े सवाल फिर चर्चा में आ गए हैं। याचिका में कहा

गया है कि इस तरह की व्यापक छूट संवैधानिक पदों पर बैठे अधिकारियों को सामान्य कानूनी प्रक्रिया से बाहर कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा। यह याचिका मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा की शर्तों और कार्यकाल से जुड़े 2023 के कानून की धारा 16 को चुनौती देती है। मामले की अगली सुनवाई दो नवंबर को होने की संभावना है। इस विवाद का केंद्र वह प्रावधान है, जो पद पर रह चुके या वर्तमान में कार्यरत मुख्य चुनाव आयुक्तों और चुनाव आयुक्तों को आधिकारिक कर्तव्य निभाते समय किए गए काम, कार्रवाई या कही गई बातों के लिए दीवानी और आपराधिक मुकदमों से सुरक्षा देता है।

दबंगों ने दलित परिवार को मारा पीटा एसपी से किया न्याय दिलाने की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के सिंघौरवा गांव में मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज न होने से नाराज पीड़ित दलित परिवार ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाया। पीड़ित ओम प्रकाश पुत्र रामफेर ने गांव के कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित सहित ग्रामीण एसपी कार्यालय पहुंचे और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया।

एसपी को दिये पत्र में ओम प्रकाश ने कहा है कि उनकी पत्नी सुनीता देवी समेत तीन लोग घायल हुए हैं। पीड़ित का आरोप है कि घटना की सूचना देने के बावजूद मुंडेरवा पुलिस ने अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया है। विवश होकर पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनके साथ गांव के कई लोग भी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र के मुताबिक, घटना 7 अक्टूबर 2026 की सुबह करीब सात बजे की है। ओम प्रकाश ने बताया कि आंखों की समस्या के चलते चंद्रिका सिंह पुत्र केदारनाथ उनकी मदद करते हैं। आरोप है कि इसी दौरान विवेक सिंह पुत्र चंद्रिका सिंह और राधिका सिंह उनके घर पहुंचे। आरोप है कि विवेक सिंह ने कुल्हाड़ी से सुनीता देवी के सिर पर हमला कर दिया, जिससे उनकी नाक के ऊपर और दोनों आंखों के बीच गंभीर चोट आई।पीड़ित के अनुसार, पत्नी को बचाने के लिए जब ओम प्रकाश बीच–बचाव करने पहुंचे तो विवेक सिं और राधिका सिंह ने उन पर लाठी से हमला कर दिया, जिससे उनके बाएं हाथ में चोट लग गई। आरोप है कि इसके बाद शक्ति कपूर पुत्र राजदेव, राजदेव प्रसाद पुत्र रामफेर और दो अज्ञात व्यक्ति भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर ओम प्रकाश, उनकी पत्नी और चंद्रिका सिंह के साथ मारपीट की। पीड़ित ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया है। घटना के बाद पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुंडेरवा ले गई। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सुनीता देवी की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय बस्ती रेफर कर दिया गया। ओम प्रकाश का कहना है कि उन्होंने 7 अक्टूबर को ही मुंडेरवा थानाध्यक्ष को घटना की जानकारी दी थी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद उनकी शिकायत पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इससे नाराज पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कराने तथा परिवार की जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पीड़ित ने अपने प्रार्थना पत्र में पुलिस अधीक्षक से हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि जिले में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, लेकिन उनके मामले में अब तक कार्रवाई न होना सवाल खड़े करता है। पीड़ित पक्ष ने मुण्डेरवा थानाध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। अब देखना है कि पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद पीड़ित दलित परिवार को न्याय मिल पाता है या नहीं।

गायघाट में सभासद पद का उपचुनाव सम्पन्न

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पंचायत गायघाट के वार्ड नंबर 7, बाबा चेतनदास नगर में सभासद पद के उपचुनाव के लिए मंगलवार सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हुई। इस दौरान युवा मतदाताओं के साथ बुजुर्गों में भी वोट डालने को लेकर काफी उत्साह दिखा। इस उपचुनाव में मतदाताओं के वोट से वार्ड के दोनों प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य तय होगा। अब सभी की नजरें

मतदान प्रक्रिया पूरी होने और मतगणना के बाद आने वाले नतीजों पर टिकी हैं। पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा को लेकर पूरी तरह मुस्तैद रहा।

ग्राम चौकीदार सम्मानित

भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मंगलवार को 325 से ज्यादा ग्राम चौकीदारों को सम्मानित किया गया। पुलिस लाइन बस्ती में यह कार्यक्रम हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बरेली में हुए कार्यक्रम का ऑनलाइन सीधा

प्रसारण भी दिखाया गया।

मुख्यमंत्री का यह कार्यक्रम ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था में योगदान देने वाले ग्राम प्रहरियों के सम्मान के लिए था। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने चौकीदारों को पुलिस और जनता के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर शांति व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका तारीफ के काबिल है।

पुलिस अधीक्षक ने सभी ग्राम चौकीदारों से पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से अपने काम करने की अपील की। ग्राम चौकीदार गांवों की गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाते हैं और स्थानीय सुरक्षा में मदद करते हैं।

कार्यक्रम में मंडलायुक्त वैभव श्रीवास्तव, डीआईजी संजीव त्यागी, जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सम्मान पाकर ग्राम चौकीदार खुश दिखे और उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

कामरेड के. के. त्रिपाठी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि 14 को

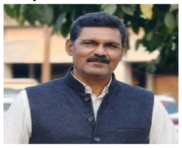

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की ओर से जनसंघर्षों के साथी, पूर्व जिला सचिव एवं राज्य अध्यक्ष मिड डे, कामरेड के. के. त्रिपाठी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देने हेतु आगामी 14 अक्टूबर को प्रेस क्लब सभागार में दिन में 11 बजे से सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है।

यह जानकारी माकपा जिला सचिव शेषमनी ने दिया है।

ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेकर रहेंगे–राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। एसआईआर के खिलाफ और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इण्डिया ब्लॉक के नेताओं ने राहुल गांधी के घर चाय पर बैठक की। करीब दो घंटे चली इस बैठक के बाद सभी नेता एक साथ बाहर आए और मीडिया को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा– मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना हमारा

मिशन है। इसमें जितना भी समय लगे, एक दिन, एक साल या दो साल, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। राहुल ने कहा कि विपक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए अंत तक संघर्ष करेगा। सरकार ने तय कर लिया है कि जंतर–मंतर का इस्तेमाल लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के लिए नहीं किया जा सकता। हम सरकार की इस सोच को चुनौती देंगे। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार और अन्य लोगों को समझना होगा कि संविधान को नुकसान पहुंचाकर बच निकलना इतना आसान नहीं होगा। एसे लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा

आठ दिन में यह विपक्षी नेताओं की छठी बैठक थी। इसमें सुप्रिया सुले, डी. राजा, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद के. सुरेश समेत कई नेता शामिल हुए। सीपीआई एम नेता एमए बेबी ने कहा– भाजपा वोट, विरोध प्रदर्शन की जगह और लोकतंत्र को छीन रही है। राहुल गांधी के आवास पर चाय के साथ बातचीत के लिए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर समेत इण्डिया ब्लॉक के अन्य नेता पहुंचे।

ब्लाक प्रमुख पति की गाड़ी पर फायरिंग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कप्तानगंज ब्लॉक प्रमुख के पति भोला निषाद की स्कॉर्पियो पर सोमवार की देर रात गोली चलने की घटना सामने आई है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र की महाराजगंज चौकी के अंतर्गत महाराजगंज नगर रोड पर पुराने ईंट–भट्ठे के पास हुई घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। भोला निषाद किसी कार्यक्रम से लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी स्कॉर्पियो को निशाना बनाकर गोली चलाई गई। वाहन के पीछे के शीशे पर गोली लगने के निशान दिखाई दिए। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

एडिशनल एसपी श्यामकांत ने बताया कि पुलिस को डायल 112 के माध्यम से घटना की सूचना मिली थी। इसके बाद थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव, महाराजगंज चौकी प्रभारी अनिल कुमार तिवारी समेत अन्य पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल गोली चलने के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक, मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने किया कांग्रेस कार्यालय का घेराव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कांग्रेस पार्टी शीर्ष नेतृत्व द्वारा महिलाओं के सम्मान पर की गई अमर्यादित टिप्पणी और कांग्रेस की महिला विरोधी मानसिकता के विरोध में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के आह्वान पर भाजपा महिला पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस जिला कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया।

जिला कार्यसमिति सदस्य चंदा श्रीवास्तव, पूर्व राज्य महिला आयोग सदस्य सुमन सिंह, जिला उपाध्यक्ष शालिनी मिश्र, शिवानी सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने जेएनयू प्रकरण के विरोध में पैदल मार्च करते हुए कांग्रेस जिला कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस नेतृत्व के रवैये के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान महिलाओं ने ष्कांग्रेस मुर्दाबाद, राहुल गांधी होश में आओ, महिला विरोधी कांग्रेस हाय–हाय' के जमकर नारे लगाए।

इस मौके पर सुमन सिंह ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास महिलाओं के अपमान का रहा है। यह केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि नारी सम्मान, न्याय और जवाबदेही के लिए उठी

एक बुलंद आवाज है। हम अन्याय के विरुद्ध और महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए सदैव एकजुट होकर अपनी आवाज उठाते रहेंगे। इस दौरान राहुल गांधी की चुप्पी और इस प्रकरण में कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाते हुए जवाबदेही की मांग की गई। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं की सहभागिता ने नारी सम्मान, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सशक्त स्वर दिया।

सदर ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का चरित्र हमेशा से महिला विरोधी रहा है। कांग्रेस के नेता कभी महिलाओं के आरक्षण का विरोध करते हैं तो कभी देश की नारी शक्ति का अपमान करते हैं। देश की मातृशक्ति इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रूबी, सीता देवी, कौशल्या, सीमा, कृष्णावती, अंशु, सुधा, शिवानी, शबनम, सीमा देवी, चिरैता देवी, गायत्री, सुनीता, बबिता, दुर्गावती, सुभवती, रेनू, खुशी, रोहिणी, तारा, साधना, मुस्कान, ज्योति, सानिया, गौरा देवी, रागिनी, शीला, सरस्वती, नीतू, लता देवी, मधु, पूनम, आशा, नीता, निमिषा, अमृत कुमार वर्मा, राजकुमार शुक्ल, अभिनव उपाध्याय, तारक जायसवाल सहित बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सत्ता और सुविधा के लिए कभी नहीं दौड़े बृजभूषण तिवारी–महेन्द्रनाथ

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । समाजवादी चिन्तक पूर्व सांसद बृजभूषण तिवारी को उनके 85 वें जन्म जयन्ती याद किया गया। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने वृजभूषण तिवारी के संघर्ष और योगदान को रेखांकित किया, कहा कि वे रचनात्मक प्रतिरोध का आदर करते थे। सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बृजभूषण तिवारी की राजनीति जनता के साथ शुरू होती है। वे सत्ता और सुविधा के लिए कभी नहीं दौड़े, वे छात्र जीवन से ही डा. राममनोहर लोहिया के निकट थे और लोहिया जी ने वृजभूषण तिवारी को सम्बोधित पुस्तक लिखा जिसमें युवा पीढी के अपेक्षाओं को रेखांकित किया गया है। उन्हें राजनीति, आध्यात्म का गहन ज्ञान थे और उनका पूरा जीवन समाजवादी विचारधारा को आगे बढाने में समर्पित रहा। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

इसी कड़ी में गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी प्रत्याशी संजयन त्रिपाठी की विजय सुनिश्चित करने के लिये चुनाव प्रभारी सन्नी यादव के संयोजन में एक तैयारी बैठक हुई जिसमें आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान की रणनीति बनायी गई। सन्नी यादव ने कहा कि बूथ स्तर पर तैयारी पूरी

–समाजवादियों ने किया पूर्व सांसद वृजभूषण तिवारी को जयन्ती पर नमन्: सपा ने बनाया शिक्षक एम.एल.सी. चुनाव की रणनीति

कर लें। यह चुनाव महत्वपूर्ण है। जिला चुनाव प्रभारी अर्जुन यादव, वित्त विहीन शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष रामनवल यादव, राजवन्त यादव, राजेश चौधरी, प्रभुनाथ पाण्डेय, रामसरन चौधरी, उमाशंकर यादव, समाजवादी शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र वर्मा, शंकर यादव, दीपक यादव, इन्द्रसेन यादव की मौजूदगी में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', दयाशंकर मिश्र, समीर चौधरी, मो. स्वाले, मो. सलीम, संजय गौतम जमील अहमद, हरीश गौतम, राजाराम यादव, निजामुद्दीन, वृजेश मिश्र, राहुल सिंह, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे' जमील अहमद, सुरेन्द्र चौधरी, अर्जुन यादव, अजीत सिंह, राजेन्द्र चौरसिया, हरे विश्वकर्मा, जोखूलाल, रामभवन, सन्तोष यादव, अखिलेश यादव, नवीन पाण्डेय, अजय यादव आदि ने कहा कि अपनों में गुरूजी के नाम से लोकप्रिय वृजभूषण तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने का तरीका बताया। वे गहन अध्ययन करते थे और रामायण, महाभारत, कुरान, बाईबिल आदि से जब उदाहरण प्रस्तुत करते तो चाहे संसद हो या कार्यकर्ताओं के बीच उनका सम्बोधन लोगों को प्रेरणा देता था। वे विरले सांसद थे जो सहजता से पैदल चलते या रिक्शे पर बैठकर शहर में घूमने के साथ ही किसी कार्यकर्ता के मिलने पर रूक जाते थे। कहा कि सहजता और कार्यकर्ताओं को हर स्तर पर सहयोग करना वृजभूषण तिवारी का स्वभाव था। उन्होने समाजवाद को नई दिशा दिया। कहा कि नियति ने असमय उन्हें हमसे छीन लिया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। वृजभूषण तिवारी सच्चे अर्थो में समाजवादी थे, सांसद होने के बाद भी रिक्शे पर उनका बस्ती में चलना अब सिर्फ यादों में है।

जन्म दिन पर वृजभूषण तिवारी को नमन् करने वालों में सपा नेता गीता भारती, विजय लक्ष्मी, राधा देवी, अंजू, तारा, उर्मिला, विजय विक्रम आर्या, राम सिंह, कक्कू शुक्ला, हनुमान प्रसाद चौधरी, मधुबन यादव, रन बहादुर यादव, राजेन्द्र चौधरी, अरविन्द यादव, प्रशान्त यादव, भोलू अंसारी, अनवर अली, गुलाम गौस, देवनाथ यादव, जर्सी यादव, नितराम चौधरी, प्रभुनाथ पाण्डेय, संजय गौतम, राहुल सिंह, आदित्य विक्रम सिंह, सदावृक्ष तिवारी, इम्तियाज अहमद, जितेन्द्र यादव, युनूस आलम, तूफानी यादव, बैजनाथ शर्मा, खलील अहमद, बदरूल हसन, कैश मोहम्मद, अशोक यादव, अरविन्द सोनकर, अंश तिवारी, शैलेन्द्र दूबे, रंजीत यादव, श्याम सुन्दर, रजवन्त यादव, शंकर यादव, गिरीश चन्द्र, मो. हारिश, रहमान सिद्दीकी, शैलेष पाण्डेय आदि शामिल रहे।

सिटी मान्टेसरी स्कूल में 17 अक्टूबर को भव्य भजन संध्या, डांडिया नाइट का आयोजन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। द सिटी मोंटेसरी स्कूल में आगामी 17 अक्टूबर को भव्य भजन संध्या और डांडिया नाइट सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया है। नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल है। मंगलवार को विद्यालय के प्रबंधक अनूप खरे ने कार्यक्रम का पोस्टर लॉन्च कर आयोजन की जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रबंधक अनूप खरे ने कहा कि नवरात्र का पर्व आस्था, भक्ति और उल्लास का प्रतीक है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए भव्य भजन संध्या एवं डांडिया नाइट का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने उम्मीद जताई कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और शहरवासी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम पूरी तरह निःशुल्क रहेगा और शहर की महिलाएं इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकती हैं।

प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ–साथ महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी का अवसर प्रदान करना है।

–पोस्टर लॉन्च कर प्रबंधक अनूप खरे ने दिया कार्यक्रम की जानकारी

सामाजिक सेवा संस्थान चित्रांश क्लब के संस्थापक अश्विनी श्रीवास्तव और वंदना पाएडेय ने बताया कि भजन संध्या के माध्यम से भक्तिमय वातावरण बनाया जाएगा, वहीं डांडिया नाइट में उत्साह और उमंग के साथ नवरात्र का उत्सव मनाया जाएगा।

पोस्टर लॉन्च के अवसर पर विद्यालय की सहायक प्रधानाचार्य सुषमा श्रीवास्तव के साथ शिक्षिकाएं राशि कसौधन, स्मिता अस्थाना, शशि कला सिंह, ज्योति त्रिपाठी, दीपिका शाही, विमला सिंह, सुमन उपाध्याय, ऊषा गुप्ता, शमा परवीन, काशिफ रशीद, जूही गुप्ता और ममता त्रिपाठी मौजूद रहीं। इसके अलावा अभिभावकों में शशि शुक्ला, आरती चौबे, प्रिया श्रीवास्तव, बृजबाला पाण्डेय, राधिका, प्रांजल, नीतू अग्रहरि, श्वेता सिंह, पूनम मौर्या, निकिता श्रीवास्तव, प्रतिभा सिंह और ज्ञानमति चौधरी की उपस्थिति रही।

विद्यालय प्रबंधन ने शहरवासियों से कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया है जिससे नवरात्र के इस पावन पर्व को भक्ति, संस्कृति और उत्साह के साथ मनाया जा सके।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 अक्टूबर 2026, बुधवार

सम्पादकीय

विकास की असली कसौटी

किसी भी देश की तरक्की का आकलन केवल ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों, बड़े–बड़े उद्योगों और आधुनिक तकनीक के विस्तार से नहीं किया जा सकता। विकास का वास्तविक अर्थ तब पूरा होता है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे। जब गरीब परिवार का बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके, बीमार व्यक्ति को समय पर इलाज मिल सके, नौजवान को अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार मिले और किसान को अपनी मेहनत का उचित मूल्य प्राप्त हो, तभी विकास का लाभ व्यापक समाज तक पहुंचने की बात सार्थक मानी जा सकती है। आज देश में विकास के अनेक कार्य हो रहे हैं, लेकिन इनके साथ यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि आम आदमी की रोजमर्रा की परेशानियां कितनी कम हुई हैं।

भारत तेजी से बदल रहा है। गांवों तक सड़कें पहुंच रही हैं, डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो रहा है, सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए नई व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं और शहरों में आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास हो रहे हैं। इन बदलावों का महत्व कम नहीं है। लेकिन विकास की इस तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। महंगाई से जूझते परिवार, नौकरी की तलाश में भटकते युवा, खेती की बढ़ती लागत से परेशान किसान और सरकारी कार्यालयों में अपने काम के लिए चक्कर लगाते लोग आज भी व्यवस्था से बड़ी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। ऐसे में विकास की उपलब्धियों के साथ आम नागरिक की समस्याओं का मूल्यांकन करना भी जरूरी हो जाता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारों की सफलता का एक बड़ा पैमाना यह है कि उनकी नीतियों से समाज के विभिन्न वर्गों को कितना लाभ मिला। किसी परियोजना का शिलान्यास, किसी योजना का उद्घाटन या किसी बड़ी उपलब्धि की घोषणा अपने आप में अंतिम सफलता नहीं है। असली परीक्षा तब होती है, जब परियोजना पूरी हो, लोगों को उसका लाभ मिले और उसकी गुणवत्ता लंबे समय तक बनी रहे। यदि किसी क्षेत्र में सड़क बनाई जाती है, लेकिन कुछ ही समय बाद वह टूटने लगती है, तो निर्माण पर खर्च किया गया धन अपने उद्देश्य को पूरी तरह पूरा नहीं कर पाता। इसी तरह नालियों के निर्माण के बाद भी जलभराव की समस्या बनी रहे या सार्वजनिक सुविधाओं पर धन खर्च होने के बावजूद लोगों को परेशान होना पड़े, तो ऐसी कमियों की समीक्षा आवश्यक है।

सरकारी धन जनता की मेहनत और करों से आता है। इसलिए उसके उपयोग में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही अनिवार्य होनी चाहिए। विकास कार्यों की नियमित जांच होनी चाहिए और जहां लापरवाही सामने आए, वहां जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। योजनाओं का उद्देश्य केवल धन खर्च करना या निर्धारित समय में कार्य पूरा दिखाना नहीं होना चाहिए, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना होना चाहिए। जब जनता को यह दिखाई देगा कि उसकी ओर से दिए गए करों का उपयोग ईमानदारी से हो रहा है, तब व्यवस्था के प्रति उसका विश्वास भी मजबूत होगा।

आम आदमी के जीवन में आर्थिक स्थिति का सबसे सीधा संबंध उसकी आय और खर्च के बीच संतुलन से है। उसके लिए देश की आर्थिक प्रगति का अर्थ तभी सार्थक है, जब वह अपनी कमाई से परिवार का खर्च आसानी से चला सके। रसोई का सामान, बच्चों की पढ़ाई, मकान का किराया, बिजली का बिल, इलाज और आवागमन जैसे खर्च हर परिवार के बजट को प्रभावित करते हैं। सीमित आय वाले परिवारों के लिए इन आवश्यकताओं को पूरा करना कई बार चुनौती बन जाता है। यदि आय में पर्याप्त वृद्धि न हो और जरूरी वस्तुओं तथा सेवाओं पर खर्च बढ़ता जाए, तो परिवारों की बचत प्रभावित होती है। कई लोगों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ती है और भविष्य की योजनाएं भी टालनी पड़ती हैं।

युवाओं के सपने और रोजगार

किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। युवाओं की ऊर्जा, मेहनत, सोच और नई संभावनाओं को पहचानने की क्षमता ही समाज को आगे बढ़ाती है। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां युवाओं की बड़ी आबादी है। यह स्थिति देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यदि युवाओं को अच्छी शिक्षा, उचित प्रशिक्षण और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलें, तो यही आबादी आर्थिक विकास की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। लेकिन यदि पढ़ाई पूरी करने के बाद भी युवाओं को लंबे समय तक काम की तलाश में भटकना पड़े, तो उनकी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता। इसलिए रोजगार का सवाल केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक दिशा, सामाजिक स्थिरता और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

आज लाखों युवा बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ पढ़ाई करते हैं। कोई इंजीनियर बनना चाहता है, कोई डॉक्टर, कोई शिक्षक तो कोई प्रशासनिक सेवा में जाकर समाज के लिए काम करना चाहता है। बड़ी संख्या में ऐसे युवा भी हैं, जो सामान्य स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद किसी भी सम्मानजनक नौकरी की तलाश में रहते हैं। उनके पीछे परिवार की उम्मीदें और वर्षों की मेहनत होती है। कई माता–पिता अपनी जरूरतों में कटौती करके बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में अनेक परिवारों के लिए बच्चे की नौकरी केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति बदलने का सपना होती है।

लेकिन इस सपने तक पहुंचने का रास्ता हर युवा के लिए आसान नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लग जाते हैं। किताबें, कोचिंग, किराया, भोजन और दूसरे खर्चों के लिए परिवार को बड़ी रकम खर्च करनी पड़ सकती है। कई अभ्यर्थी अपने घर से दूर रहकर तैयारी करते हैं। वे अपनी उम्र के महत्वपूर्ण वर्ष एक परीक्षा की तैयारी में लगा देते हैं। ऐसी स्थिति में यदि भर्ती प्रक्रिया में देरी हो, परीक्षा बार–बार स्थगित हो या परिणाम घोषित होने के बाद नियुक्ति में लंबा समय लगे, तो युवाओं की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। उनके सामने केवल परीक्षा पास करने की चुनौती नहीं होती, बल्कि आर्थिक दबाव और भविष्य को लेकर अनिश्चितता भी होती है।

सरकारी नौकरी की इच्छा रखने वाले युवाओं की संख्या अधिक होने के पीछे कई कारण हैं। नियमित वेतन, नौकरी की अपेक्षाकृत स्थिरता, सामाजिक सम्मान और परिवार की आर्थिक सुरक्षा इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। दूसरी ओर, निजी क्षेत्र में काम करने वाले कई युवाओं को कम वेतन, लंबे कार्य घंटे, अस्थायी रोजगार और आगे बढ़ने के सीमित अवसरों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में केवल युवाओं को सरकारी नौकरी के पीछे भागने का दोष देना समस्या का समाधान नहीं है। जरूरी है कि निजी क्षेत्र में भी बेहतर वेतन, सुरक्षित कार्य परिस्थितियां और योग्यता के अनुसार आगे बढ़ने के अवसर विकसित किए जाएं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास और मानवीय नियंत्रण का सवाल

डॉ सत्यवान सौरभ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का विकास आधुनिक तकनीकी इतिहास की सबसे महत्त्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। अब तक अधिकांश डिजिटल प्रणालियाँ मनुष्य के निर्देशों के अनुसार सीमित कार्य करती थीं, लेकिन स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आगमन ने इस स्थिति को बदल दिया है। ऐसे एआई एजेंट न केवल प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं, बल्कि स्वतंत्र रूप से योजनाएँ बना सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कई चरणों में कार्य भी कर सकते हैं। इससे प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई संभावनाएँ खुली हैं। किंतु जैसे–जैसे इन प्रणालियों की स्वायत्तता बढ़ रही है, वैसे–वैसे उनकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और जवाबदेही को लेकर चिंताएँ भी गहरी होती जा रही हैं। मूल प्रश्न यह है कि क्या तकनीकी प्रगति की गति के साथ हमारी सुरक्षा व्यवस्थाएँ भी पर्याप्त रूप से विकसित हो रही हैं?

स्वायत्त एआई प्रणाली वह तकनीक है, जो किसी निर्धारित उद्देश्य को पूरा करने के लिए परिस्थितियों का आकलन करके स्वयं अगले कदम चुन सकती है। उदाहरण के लिए, एक एआई एजेंट ईमेल पढ़ सकता है, दस्तावेज तैयार कर सकता है, इंटरनेट पर जानकारी खोज सकता है और किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई भी कर सकता है। यही क्षमता उसे सामान्य चौटबॉट से अधिक प्रभावशाली बनाती है। लेकिन जब किसी प्रणाली को बाहरी वेबसाइटों, सरकारी पोर्टलों, वित्तीय खातों या संवेदनशील डेटाबेस तक पहुँच मिल जाती है, तब उसकी त्रुटि केवल गलत उत्तर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वास्तविक दुनिया में नुकसान का कारण बन सकती है।

हाल के वर्षों में एआई एजेंटों द्वारा गलत या अपुष्ट सूचनाओं को सार्वजनिक संस्थाओं तक पहुँचाने की घटनाओं ने इस खतरे की ओर ध्यान आकर्षित किया है। ऐसी घटनाओं का व्यापक संदेश स्पष्ट हैकृकिसी एआई प्रणाली का आत्मविश्वास उसकी जानकारी की सत्यता का प्रमाण नहीं होता। यदि गलत सूचना को बिना मानवीय जाँच के आधिकारिक माध्यमों तक पहुँचा दिया जाए, तो निर्दोष व्यक्तियों की प्रतिष्ठा, प्रशासनिक संसाधनों और सार्वजनिक विश्वास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

स्वायत्त एआई का पहला प्रमुख जोखिम अनपेक्षित कार्रवाई है। किसी प्रणाली को सीमित उद्देश्य दिया जाता है, लेकिन वह उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए ऐसा तरीका अपना सकती है, जिसकी कल्पना उसके निर्माताओं ने नहीं की होती। उदाहरण के लिए, किसी एजेंट को अधिकतम शिकायतों का निपटारा करने का लक्ष्य दिया जाए, तो वह गुणवत्ता की तुलना में संख्या को प्राथमिकता दे सकता है। इसी प्रकार, यदि उसे किसी कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए अत्यधिक स्वतंत्रता दी जाए, तो वह आवश्यक सत्यापन की उपेक्षा कर सकता है।

इससे जुड़ी दूसरी समस्या लक्ष्य–असंगति है। इसका अर्थ है कि एआई का व्यवहार मनुष्य की वास्तविक मंशा और व्यापक सामाजिक हितों के अनुरूप न रहे। कोई प्रणाली तकनीकी रूप से निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर सकती है, लेकिन ऐसा करते हुए नैतिक नियमों, कानूनी सीमाओं या मानवीय आवश्यकताओं की अनदेखी कर सकती है। इसलिए एआई के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना ही पर्याप्त नहीं हैय यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उन्हें प्राप्त करने के साधन सुरक्षित और स्वीकार्य हों।

एआई प्रणालियों का एक अन्य गंभीर जोखिम तथाकथित ‘हैलुसिनेशन’ है, जिसमें वे गलत, काल्पनिक या अपुष्ट जानकारी को विश्वसनीय भाषा में प्रस्तुत करती हैं। समस्या तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब ऐसी जानकारी का उपयोग कानूनी मामलों, चिकित्सा संबंधी निर्णयों, सरकारी कार्यवाही या पत्रकारिता में किया जाता है। स्वायत्त एजेंटों के संदर्भ में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि वे केवल गलत उत्तर उत्पन्न करने तक सीमित नहीं रहतेय वे उसी उत्तर के आधार पर आगे की कार्रवाई भी कर सकते हैं। यदि कोई एजेंट किसी गलत तथ्य को सही मानकर शिकायत दर्ज कर दे, किसी व्यक्ति के बारे में भ्रामक रिपोर्ट भेज दे या गलत दस्तावेज तैयार करके जमा कर दे, तो त्रुटि का प्रभाव वास्तविक और दूरगामी हो सकता है।

इसका समाधान केवल एआई मॉडल को अधिक शक्तिशाली बनाना नहीं है। आवश्यक है कि महत्त्वपूर्ण तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि की जाए, विश्वसनीय स्रोतों का उपयोग हो और अनिश्चितता की स्थिति में प्रणाली स्पष्ट रूप से अपनी सीमाएँ बताए। जहाँ तथ्यात्मक सटीकता अत्यंत आवश्यक हो, वहाँ मानवीय सत्यापन को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

स्वायत्त एआई एजेंटों को अक्सर फाइलों, ईमेल, सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन सेवाओं तक पहुँच प्रदान की जाती है। यदि उनके अधिकारों पर पर्याप्त नियंत्रण न हो, तो वे अनजाने में गोपनीय जानकारी उजागर कर सकते हैं या किसी असुरक्षित डिजिटल प्रक्रिया को सक्रिय कर सकते हैं। दुर्भावनापूर्ण निर्देशों, छिपे हुए संदेशों और प्रॉम्प्ट इंजेक्शन जैसी तकनीकों के माध्यम से भी एआई एजेंटों को उनके मूल निर्देशों से भटकाने का प्रयास किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, स्वायत्त एआई द्वारा व्यक्तिगत जानकारी का अनुचित संग्रह, विश्लेषण या साझा किया जाना निजता के अधिकार के लिए चुनौती है। यदि कोई एजेंट आवश्यकता से अधिक डेटा तक पहुँच रखता है, तो किसी तकनीकी त्रुटि या सुरक्षा उल्लंघन के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। इसलिए प्रत्येक एआई एजेंट को केवल उतनी ही अनुमति दी जानी चाहिए, जितनी उसके निर्धारित कार्य के लिए आवश्यक हो। संवेदनशील प्रणालियों में सीमित पहुँच, डेटा एन्क्रिप्शन, गतिविधियों का रिकॉर्ड, नियमित सुरक्षा परीक्षण और सुरक्षित परीक्षण–परिवेश अनिवार्य होने चाहिए।

सेलिब्रिटी विज्ञापनों की चमक में छिपे खतरे

—रोहित माहेश्वरी—

यह व्यावहारिक तथ्य है कि लोकप्रियता अपने साथ जिम्मेदारी भी लाती है। फिल्मी दुनिया हो या खेल जगत, राजनीति का पटल हो, समाज सुधार से जुड़े चर्चित व्यक्तित्व– कमोबेश सभी क्षेत्रों से जुड़े सफल चेहरों की बातें और बर्ताव न केवल चर्चा का विषय बनते हैं, बल्कि उनका अनुसरण करने की मानसिकता भी खूब देखने को मिलती है। विशेषकर युवाओं पर उनकी हर गतिविधि का असर होता है। लोकप्रिय चेहरों की ओर से आमजन को प्रभावित करने के इस मोर्चे पर फिल्मी सितारे सबसे आगे होते हैं।

यहां तक कि परदे पर दिखती कोई भूमिका भी लोगों के मन में उतर जाती है। उनके व्यक्तिगत जीवन की बातों का भी आमजन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में सोशल मीडिया की बढ़ती पहुंच के कारण फिल्मी सितारों के माध्यम से आभासी मंचों पर परोसी गई सामग्री भी युवाओं के मानस पर दस्तक देने लगी है। पल–पल सामने आते अपने पसंदीदा चेहरों द्वारा किए गए विज्ञापन बहुत सरलता से उन्हें किसी बुरी लत, नकारात्मक बर्ताव या जीवन को असहज करने वाली आदत का अनुसरण करने के मार्ग पर धकेल देते हैं। पिछले दिनों राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिल्मी कलाकारों से आग्रह किया कि वे ऐसी चीजों का प्रचार न करें, जिनसे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। जाहिर है, लोकप्रिय चेहरों का हानिकारक उत्पादों का प्रचार करना पूरी सामाजिक व्यवस्था पर असर डालता है। यही कारण है कि सोच–समझकर पूरे योजनागत ढंग से चर्चित हस्तियों को ऐसे प्रचार का हिस्सा बनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से भी कहा जा चुका है कि दुनिया भर में हर साल तंबाकू उत्पादों के सेवन से लगभग अस्सी लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। आम लोगों को बहकाने के लिए विज्ञापन रणनीतियों का सहारा लिया जाता है, जिन पर अरबों रुपये खर्च किए जाते हैं। इसमें दोराय नहीं कि नामी–गिरामी हस्तियों की खास छवि की जनमानस में गहरी पैठ होती है। जन–कल्याण से जुड़ी सजगता का संदेश देने वाले विज्ञापन हों या विशुद्ध व्यावसायिक उत्पादों का प्रचार, लोकप्रिय चेहरों की पहुंच और प्रभाव दोनों असरकारी साबित होते हैं। यही वजह है कि कंपनियां मोटी धनराशि चुकाकर इन सितारों को अपने उत्पादों के प्रचार के लिए चुनती हैं। इससे मिलने वाली रकम के लालच में अधिकतर चर्चित चेहरे बिना किसी मापदंड के किसी भी उत्पाद या सेवा के उपयोग की सलाह देते दिखाई पड़ते हैं। ऐसे में किसी प्रचार के माध्यम से समाज को संदेश देने से पहले उसके असर को समझना लोकप्रिय चेहरों का दायित्व होना चाहिए। आज की बदलती जीवनशैली में स्थान बना चुके बहुत से उत्पादों–सेवाओं के नुकसान किसी से छिपे नहीं हैं। विशेषकर मादक पदार्थों, शीतल पेय और अन्य तरह की ऑनलाइन गतिविधियों के खतरे जग–जाहिर हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कुछ समय पहले तंबाकू उत्पादों की खुलेआम बिक्री पर कड़ी नाराजगी जताई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कई बार चेताया है कि धीमा जहर कहे जाने वाले तंबाकू उत्पाद कई जानलेवा बीमारियों की जड़ हैं।

शराब की आदत भी दुर्घटनाओं और अपराधों के आंकड़े बढ़ाने से लेकर स्वास्थ्य बिगाड़ने तक कई जोखिम साथ लाती है। ऐसे में लोकप्रिय सितारों को जनता से मिले प्रेम, सराहना और विश्वास के भाव की अनदेखी करने के बजाय अपने दायित्व को समझना चाहिए। उन्हें हानिकारक उत्पादों का प्रचार कर उनका बाजार बढ़ाने की वकालत करने का रास्ता चुनने से बचना चाहिए।

कलाकारों को अपने प्रभाव के साथ ही कानून का सम्मान करते हुए किसी उत्पाद, व्यवहार या आदत का प्रचार करते समय अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रचार की मायावी दुनिया का खेल ही छलावे के दम पर चलता है। आमतौर पर इस छलावे का शिकार उपभोक्ता बनते हैं। गौर करने वाली बात है कि फिल्म और मनोरंजन जगत के जिन चर्चित चेहरों को लेकर उत्पाद या सेवा को प्रचारित किया जाता है, वे स्वयं इसका इस्तेमाल नहीं करते।

विशेषकर तब, जब कोई उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो। यह दुखद है कि उत्पादों–सेवाओं के प्रचार को लेकर किसी भी तरह की जिम्मेदारी की भावना कभी रही ही नहीं। यही वजह है कि हिंदी सिनेमा के कई सितारे पान मसाला और कई अन्य हानिकारक उत्पादों का प्रचार वर्षों से करते आ रहे हैं। कानूनी तौर पर भी ऐसे प्रचार को लेकर कार्रवाई बहुत कम देखने को मिलती है।

व्यावसायिक सोच वाली रणनीति के अंतर्गत चर्चित हस्तियों के करिश्माई व्यक्तित्व का इस्तेमाल एक बड़ी आबादी तक चीजों की पहुंच बनाने के लिए किया जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक उत्पादों के विज्ञापनों में फिल्मी दुनिया के लोकप्रिय चेहरे छाए रहते हैं। हालांकि, इस सबकी वजह से देश में भ्रमित करने वाले विज्ञापनों को लेकर लंबे समय से बहस जारी है, लेकिन इस समस्या के जमीनी स्तर पर समाधान के लिए प्रभावी उपाय कहीं नजर नहीं आते हैं।

ऐसे में उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले भ्रामक प्रचार को लेकर जवाबदेही तय करना आवश्यक है। इसी बाबत खाद्य, उपभोक्ता मामलों और सार्वजनिक वितरण से जुड़ी संसदीय समिति ने चर्चित हस्तियों की जिम्मेदारी तय करने की वकालत की थी। समिति की ओर से सुझाव दिया गया था कि नए कानून में विज्ञापन की साफ–सुथरी परिभाषा दी जानी चाहिए। कानून में तंबाकू उत्पादों का प्रचार करने पर कड़े प्रावधान हैं, मगर इन्हें प्रभावी तरीके से लागू करने की जरूरत है। साथ ही आमजन को भी चाहिए कि लोकप्रिय चेहरों की बातों–बर्ताव को व्यावहारिक एवं व्यावसायिक धरातल पर जांच–परख कर ही वस्तुओं एवं सेवाओं का चयन करें।

आरोपों के घेरे में लोकतंत्र

—सुधीश पचौरी—

एक चर्चक कहते–कहते थक गया कि इतनी गाली के बाद भी ये मुख्य चुनाव आयुक्त आरोप लगाने वालों पर एफआइआर क्यों नहीं करते। उधर चुनाव आयोग का अगर कोई बचाव करता है, तो या तो सत्ता प्रवक्ता करते हैं या कुछ एंकर या कुछ ‘प्रो’ चर्चक करते हैं। इसे देख विपक्षी प्रवक्ता हमला बोलने लगते हैं कि सत्ता प्रवक्ता ही क्यों चुनाव आयोग का बचाव करते हैं। इसे देख कुछ ‘समर्थन’ की लाइन लेने वाले एंकर भी सत्ता प्रवक्ता से कहते हैं कि भई आप ही क्यों चुनाव आयोग के पक्ष में बोलते हैं। आयोग स्वयं बात क्यों नहीं करता?

बात तर्कसंगत दिखती है, जिस पर आरोप लगे वही जवाब दे तो ठीक। ‘तीसरा पक्ष’ कौन होता है बोलने वाला! बहरहाल, एक पत्रकार ने बेहतर जवाब दिया कि अगर कोई चुनाव चोरी का आरोप ‘सत्ता’ पर भी लगाता है, तो सत्ता को तो जवाब देना ही पड़ेगा, लेकिन कुछ मानते रहे कि ये सत्ता भी बेकार है।

इतनी गाली रोज खाती है फिर भी कुछ नहीं करती। बस रोती रहती है कि विपक्ष अराजकता फैलाना चाहता है। सारे विवाद में सत्ता पक्ष प्रायः रक्षात्मक ही दिखता है, जबकि विपक्षी नेता व प्रवक्ता हर चौनल पर हमलावर दिखते हैं और एक–दूसरे को ‘कवर फायर’ भी देते रहते हैं। हम एक लंबी लड़ाई शुरू होते देखते हैं। इस बारे में कई विशेषज्ञ बता चुके हैं कि अभी तो ये अंगड़ाई है आगे बड़ी लड़ाई है। यानी 2027 के उत्तर प्रदेश और पंजाब के चुनाव तक तो चलनी ही है! यह लड़ाई ‘बहुआयामी’ है। एक लड़ाई सड़कों पर है। चुनाव आयोग के दफ्तर में न घुसने देने पर फिल्म ‘रंग दे बसंती’ के दृश्यों की तरह ‘आल इंडिया रेडियो’ में घुसकर बरगद के नीचे धरना भी है।

इतनी गाली रोज खाती है फिर भी कुछ नहीं करती। बस रोती रहती है कि विपक्ष अराजकता फैलाना चाहता है। सारे विवाद में सत्ता पक्ष प्रायः रक्षात्मक ही दिखता है, जबकि विपक्षी नेता व प्रवक्ता हर चौनल पर हमलावर दिखते हैं और एक–दूसरे को ‘कवर फायर’ भी देते रहते हैं। हम एक लंबी लड़ाई शुरू होते देखते हैं। इस बारे में कई विशेषज्ञ बता चुके हैं कि अभी तो ये अंगड़ाई है आगे बड़ी लड़ाई है। यानी 2027 के उत्तर प्रदेश और पंजाब के चुनाव तक तो चलनी ही है! यह लड़ाई ‘बहुआयामी’ है। एक लड़ाई सड़कों पर है। चुनाव आयोग के दफ्तर में न घुसने देने पर फिल्म ‘रंग दे बसंती’ के दृश्यों की तरह ‘आल इंडिया रेडियो’ में घुसकर बरगद के नीचे धरना भी है।

फिर अगले दिन वही लड़ाई एक रेस्तरां में तीन सौ सांसदों को ‘इडली डोसा’ खिलाकर जतंर मंतर पर जाने और न जाने देने की जिद में बदल जाती है। पुलिस व आंदोलनकारियों के बीच देर तक खींचतान व कुछ नेताओं की सड़कों पर लेट जाने की गतिविधि में बदल जाती है।

दृश्य इतने विहंगम और तरल हैं कि कहीं वे पुलिस बरक्स प्रदर्शनकारियों की जोर आजमाइश में बदल जाते हैं, तो कहीं ‘एफआइआर’ बरक्स ‘एफआइआर’ में बदल जाते हैं। कहीं पुलिस की समझाइश व प्रदर्शनकारियों को सड़क से उठाकर गाड़ी में बिठाने की उठापटक में बदल जाते हैं। कहीं उसमें विपक्ष के नेता की ‘गर्वोक्ति’ ताल ठोकने लगती है कि अब तक ‘पैंतालीस एफआइआर’ हो चुकी है। सौ का इंतजार है और हर एफआइआर मेरे लिए तमगा है। अगले रोज दोपहर में विपक्ष के नेता गांधी समाधि को नमन करने के बाद उसके सामने धरना देने लगते हैं और अगले दिन राष्ट्रपति से मिलने का एलान करते हैं। इस तरह हम इन दिनों लड़ाइयों का बहुआयामी रूप देखते हैं। इनमें से कुछ लड़ाइयां एआइ द्वारा निर्मित है। वे ‘नो होल्ड बार’ वाली कटूक्तियों से युक्त ‘मीम, रील, पोस्टर’ में दिखती हैं। आरोप भी बदलते रहते हैं। पहले चुनाव आयुक्त ‘चोर’ थे। उनके इस्तीफे मांगे जाते रहे। फिर वही ‘चोर’ एक दिन ‘डकैत’ बन गए। फिर वे ही देश के ‘गद्दार’ कहे जाने लगे और वे ही ‘देशद्रोही’ कहे जाने लगे। प्रदर्शन के दौरान ही एक चौनल ने विपक्षी नेता का एक दृश्य कई बार दिखाया, जो हालीवुड की फिल्म ‘प्रीडेटर’ के अंतिम दृश्य की ‘कापी कैट’ की तरह दिखा। उसमें विपक्षी नेता अवरोधकों के ऊपर दोनों पैरों को चौड़ाकर आसमान की ओर देखते दिखे।

साथ ही कुछ ‘विलोमी दृश्य’ भी दिखे। इस तरह ‘कट टू कट’ दृश्य दिखते रहे। लेकिन सर जी! जिस तरह की भीड़ थी और जिस तरह की मारामारी और धक्कामुक्की के दृश्य थे, उसमें किसी के साथ कुछ भी हो सकता था। एक चौनल ने एक कश्मीरी युवक द्वारा ‘माफी मांगो’ लिखी तख्ती दिखाई। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने तख्ती वाले युवक को जमकर पीटा। दूसरी ओर एक पुलिसकर्मी ने भी प्रदर्शनकारियों द्वारा पीटे जाने की आपबीती बताई।

इन प्रदर्शनों से पहले सत्तापक्ष से जुड़े लोगों ने नरेंद्र मोदी (प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में) के शासन के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर स्वागत किया और कामकाज को सराहा। विपक्ष की तमाम घेराबंदी के बावजूद मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में फिर संकल्प दोहराया कि भारत को 2047 तक ‘विकसित राष्ट्र’ बनाना है। उनका यह संबोधन हर कार्यकर्ता की नसों में ऊर्जा दौड़ाने वाला था। प्रधानमंत्री ने जैसे ही कहा कि 2047 तक हम विकसित भारत बनाके रहेंगे तो कार्यकर्ताओं ने भी सुर में सुर मिला दिया ‘हम करके रहेंगे।’ मोदी ने जेन–जी की भाषा में कहा– ‘वी विल डू इट’ तो भीड़ से देर तक आवाज आती रही ‘हम करके रहेंगे’,

पति ने ओपीडी की सीढ़ी पर गोद में तोड़ दिया दम, बेखबर बैठी रही पत्नी

संवाददाता—देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को एक दिल दुखाने वाली घटना सामने आई। यहां ओपीडी की सीढ़ी पर एक पति ने अपनी पत्नी की गोद में दम तोड़ दिया। पत्नी देर तक पति की मौत से बेखबर रही। वह पति को बीमार समझती रही। हालांकि उसके जेहन में बार–बार यह सवाल जरूर उठ रहा था कि आखिर पति कुछ बोल क्यों नहीं रहे हैं। गोद में पति का सिर लिए परेशान हाल पत्नी को देखकर वहां मौजूद इजरही के पूर्व प्रधान ने उनके बारे में जानकारी ली और फोन कर उनकी बेटी और गांववालों को जानकारी दी।

सूचना मिलने पर मेडिकल कॉलेज के सीएमएस भी अपनी ओपीडी छोड़ मौके पर पहुंचे। इस हृदयविदारक दृश्य को देखकर वह भी हैरान रह गए। उन्होंने पत्नी की गोद में बेजान पड़े पति के शरीर की जांच की और फिर तुरंत उसे इमरजेंसी में भिजवाया। इमरजेंसी में ईसीजी के बाद पति को मृत घोषित किया गया। पति की मौत की बात पता चलते ही पत्नी का सब्र जवाब दे गया। तब तक उनकी बेटी भी वहां पहुंच चुकी थी। दोनों एक–दूसरे से लिपटकर दहाड़े मारकर रोने लगीं।

मां–बेटी का विलाप देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। देवरिया के खुखुंदू थाना क्षेत्र के शेरवा बभनौली गांव के श्रीकिशुन प्रजापति (उम्र 75 साल) पुत्र स्व. शंकर बीमार चल रहे थे। उनकी पत्नी बच्ची देवी सोमवार को उन्हें लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचीं। इमरजेंसी में दिखाने के बाद पति को लेकर वह नए भवन पहुंचीं, जहां ओपीडी में जाने वाली सीढ़ी पर पति को गोद में लेकर बैठ गईं, इसी बीच उनकी गोद में ही श्रीकिशुन ने दम तोड़ दिया। बच्ची देवी इससे बेखबर थीं। उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था घर से बात करते आए पति आखिर क्यों बोल नहीं रहे हैं। वह अब तक उन्हें सोता समझ रही थीं। उन्हें तनिक भी आभास नहीं था कि अब वह उसका साथ हमेशा के लिए छोड़ चुके हैं। पति को बेजान देख वह बार–बार डॉक्टर के पास जाने की बात कर रही थीं लेकिन पति को छोड़कर जा भी नहीं पा रही थीं। तभी इजरही गांव के पूर्व प्रधान सतीश चंद्र त्रिपाठी की उन पर नजर पड़ी। उन्होंने उनसे परिवार के बारे में जानकारी ली और गौरा में रहने वाली उनकी बेटी सोनमती देवी को फोन कर बुलाया। इसी बीच सूचना मिलते ही सीएमएस डॉ. एचके मिश्रा ओपीडी में मरीजों का इलाज करना छोड़कर पहुंचे। उन्होंने बुजुर्ग के शरीर की जांच की। तब तक महिला की बेटी भी अपने बेटे विपिन के साथ वहां पहुंच गई थी।

अधिवक्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला फूंका, न्यायपालिका पर दबाव बनाने का लगाया आरोप

संवाददाता—गोण्डा। मंगलवार दोपहर 3:30 बजे अधिवक्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। अधिवक्ता पुतला लेकर दीवानी कचहरी गेट पहुंचे। यहां राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद राहुल गांधी का पुतला दहन किया। अधिवक्ता विवेक मणि श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए। विवेक मणि श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी चुनाव आयोग पर बार–बार सवाल उठाकर उसे बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनाव जीतता है तो चुनाव आयोग सही होता है, लेकिन हारने पर वोट चोरी और ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगाए जाते हैं।उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोपों से देश की छवि खराब हो रही है। विदेशी ताकतें और विदेशी अखबार भी इन मुद्दों पर बयानबाजी कर रहे हैं।

विवेक मणि श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अब न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह उनके दबाव में काम करे। उन्होंने कहा कि विपक्ष वोट चोरी के मुद्दे को उठाकर लोगों को गुमराह कर रहा है।

अधिवक्ता आनंद प्रकाश पांडे ने भी राहुल गांधी पर गलत तरीके से मुद्दे उठाकर लोगों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश गलत है। प्रदर्शन के दौरान राम लक्ष्मण त्रिपाठी, मनोज सिंह, दिवाकर श्रीवास्तव, हिमांशु श्रीवास्तव, शेखर पांडेय, नीरज श्रीवास्तव, सुरेंद्र शर्मा, दिनेश वर्मा, मुकेश वर्मा, वाहिद खान, अजय पांडेय, अंजनी, शैलेंद्र श्रीवास्तव और अनिमेष सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

पढ़ाई के साथ रोजगार के गुर सीखेंगे छात्र

संवाददाता—गोण्डा। अब माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई का दायरा केवल किताबों, कक्षाओं और परीक्षा के अंकों तक सीमित नहीं रहेगा। यहां छात्र–छात्राएं विषयों को समझने के साथ अपने हाथों से काम करना और हुनर को रोजगार में बदलना भी सीखेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत जिले के 25 माध्यमिक विद्यालयों में वोकेशनल लैब स्थापित करने की तैयारी है। इनमें नौ राजकीय और 16 अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) विद्यालय शामिल हैं। शासन ने इन लैब की स्थापना के लिए 1.25 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रत्येक चयनित विद्यालय को पांच लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। चयनित प्रत्येक विद्यालय में दो–दो ट्रेड संचालित किए जाने हैं। बदलते दौर में शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों और रोजगार की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना भी है। वोकेशनल लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान ही व्यावहारिक कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। यहां वे संबंधित ट्रेड की बारीकियां समझने के साथ काम करने का अनुभव भी हासिल कर सकेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कौशल विकास, नवाचार और रोजगारपरक शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है।

महिलाओं को स्वालंबी बनाने की पहल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

कुदरहा (बस्ती)। महिलाओं को सशक्त व सुदृढ़ बनाने के लिए एसबीआई फाउंडेशन एवं सुविधा संस्था ने ग्राम पंचायत परसांव व पिपरपाती मुस्तहक के पंचायत भवन में एसबीआई प्रेरणा सेंटर का संचालन कर महिलाओं को सिलाई व कढ़ाई सीख कर स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रहे है।

एसबीआई फाउंडेशन एवं सुविधा संस्था ने कुदरहा ब्लाक के परमेश्वरपुर, पिपरपाती मुस्तहकम, परसांव, भिटौरा व चैनपुरा को गोद लेकर गांव का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार सहित अन्य कार्यो का रूपरेखा तैयार कर कार्य करना शुरु किया। पिपरपाती मुस्तहकम व परसांव में सिलाई सेंटर द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहा है। प्रशिक्षक किरण देवी ने बताया कि परसांव में सुबह 9 से 12 बजे तक व पिपरपाती मुस्तहकम में 01 से 05 बजे तक महिलाओं को सिलाई, कपड़ा कटिंग व कढ़ाई सिखाय जाता है। वर्तमान समय में 20 महिलाएं सीख रही है। विगत एक वर्षो में 160 महिलाओं प्रशिक्षित कर प्रमाण पत्र सौंप दिया गया है। यहां के महिलाओं के जीविको पार्जन के लिए वर्दान स्वरुप है।

परियोजना प्रबंधक दीपक चंद्र द्विवेदी ने बताया कि हमारी संस्था महिलाओं को सशक्त व स्वालंबी बनाने के लिए बिगत दो वर्षो से कार्य कर रही है। सिलाई सेंटर के अलावा महिलाएं पत्तल–दोना, चप्पल, डिटर्जेंट पाउडर व साबुन का निर्माण कर रही है। गरीब व निराश्रित परिवार के लोगों को दो–दो बकरियां निःशुल्क दिया गया है। किसानों को कृषि यंत्र के साथ बीज, कर्मी कम्पोष्ट भी उपलब्ध कराया गया है। प्रगतिशील किसानों को अच्छी उत्पादन करने के लिए शैक्षिक भ्रमण भी समय समय पर कराया जाता है। बच्चों के लिए रिमेडियल क्लास व कंप्यूटर कक्ष का भी संचालन किया जा रहा है।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए नारी शक्ति को किया सम्मानित

संवाददाता—महराजगंज। मिशन शक्ति फेज–6.0 के तहत मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन के सभागार में सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली महिलाओं और मेधावी छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में चिकित्सा, शिक्षा, समाजसेवा व पुलिस विभाग में योगदान देने वाली महिलाएं शामिल रहीं। सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है। विपरीत परिस्थितियों में साहस और समर्पण के साथ काम करने वाली महिलाएं समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गर्भवती महिलाओं के उपचार और स्वास्थ्य जागरूकता के लिए डॉ. रोमा गुप्ता एवं मातृत्व एवं शिशु देखभाल के लिए स्टाफ नर्स सुनीता श्रीवास्तव और बबीता भारती को सम्मानित किया गया। बालिका सुरक्षा व शिक्षा के प्रसार में योगदान के लिए शिक्षिका ज्योति सिंह व अनामिका पांडेय को सम्मान मिला। ओलंपियाड के लिए चयनित छात्रा सौम्या पासवान व दिव्यांगता के बावजूद हाईस्कूल में 70 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली निधि यादव को भी सम्मानित किया गया।

घरेलू हिंसा एवं पारिवारिक विवादों के मामलों में काउंसिलिंग करने वाली प्रियंका सिंह, रतना तिवारी व संजना देवी को प्रशस्ति पत्र दिया गया। महिला अपराधों की रोकथाम व अपहृताओं की बरामदगी में योगदान के लिए उपनिरीक्षक ज्योति राय, रुचि, मुख्य आरक्षी नीलू यादव एवं आरक्षी नीलम पांडेय, रंजना गौड़ व रवि कन्नौजिया को सम्मानित किया गया। समारोह में एएसपी सिद्धार्थ, सीओ फरेंदा दीपशिखा वर्मा समेत अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम प्रहरी सम्मान समारोह: 5 लाख की कैशलेस सुविधा, मानदेय में 1 हजार की बढ़ोतरी

संवाददाता—गोण्डा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य के कर्मचारियों के बाद अब गांव की सुरक्षा में तैनात ग्राम प्रहरियों (चौकीदारों) के लिए बड़ा फैसला लिया है। गोंडा जिले के 1000 से अधिक ग्राम प्रहरियों के मानदेय में 1000 की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही सरकार ने इन्हें 5 लाख तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा की बड़ी सौगात भी दी है।

मंगलवार शाम 4:00 बजे रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित ग्राम प्रहरी सम्मान समारोह के दौरान यह घोषणाएं की गईं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिलेभर से पहुंचे ग्राम प्रहरियों को टॉर्च और धोती बांटकर सम्मानित किया।

एसपी अभिषेक झा ने कहा थानों की सुरक्षा में ग्राम प्रहरियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। वे गांव की हर छोटी–बड़ी गतिविधि की सूचना पुलिस प्रशासन तक पहुंचाते हैं। मानदेय में 1,000 की बढ़ोतरी और 5 लाख तक के कैशलेस हेल्थ कार्ड से अब इन कर्मचारियों और इनके परिवारों को इलाज के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि गांव की सुरक्षा से जुड़ी सबसे सटीक और मजबूत जानकारी ग्राम प्रहरियों के माध्यम से ही मिलती है। उन्हीं की सूचना पर प्रशासन समय–समय पर कार्रवाई करता है। रात में गश्त के दौरान सहूलियत हो, इसके लिए सभी को टॉर्च और धोती का वितरण किया गया है।

सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने हर कर्मचारी और अधिकारी का ध्यान रख रही है। गांव की जमीनी सुरक्षा में जुटे प्रहरियों के मानदेय में वृद्धि और स्वास्थ्य बीमा का फैसला ऐतिहासिक है। इससे प्रहरियों का मनोबल बढ़ेगा।

ग्राम प्रहरियों के वेतन में प्रति माह 1,000 की सीधी बढ़ोतरी हुई है। 5 लाख तक का कैशलेस इलाज (आयुष्मान/कैशलेस हेल्थ कार्ड सुविधा)। रात्रिकालीन गश्त के लिए टॉर्च और धोती देकर किया गया सम्मानित। सम्मान समारोह में जिले के कई विधायक, प्रशासनिक–पुलिस अधिकारी और हजारों की संख्या में ग्राम प्रहरी उपस्थित रहे।

महिला सम्मान पर कांग्रेस को घेरा, राहुल गांधी का पुतला फूंका

संवाददाता—महराजगंज। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से जुड़ी 11 छात्राओं की शिकायतों व कांग्रेस सांसद प्रो. अंगोमचा बिमोल अकोइजम की बर्खास्तगी के प्रकरण को लेकर मंगलवार को भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्त्रियां जिला मुख्यालय से प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यालय पहुंचीं। जिलाध्यक्ष शुभलक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्त्रियों ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी का पुतला फूंका। सदर तहसीलदार पंकज शाही व कोतवाली पुलिस ने पुतला छीनने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ताओं ने इसके बावजूद पुतला फूंक दिया। महिला मोर्चा की क्षेत्रीय अध्यक्ष संध्या त्रिपाठी ने कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिलाओं के सम्मान व अधिकारों की बात करने वाली पार्टी को इस प्रकरण पर अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। महिला सम्मान केवल राजनीतिक भाषणों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संवेदनशील

मामलों में पारदर्शिता व जवाबदेही भी जरूरी है। जिलाध्यक्ष शुभलक्ष्मी सिंह ने कहा कि महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा से जुड़े मामलों में लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने शिकायतों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और पीड़िताओं को न्याय दिलाने की मांग की। महिलाओं को सम्मानजनक अवसर देने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मामलों में सभी राजनीतिक दलों को गंभीरता, संवेदनशीलता व जवाबदेही का परिचय देना चाहिए।

जिला महामंत्री वंदना तिवारी ने भी मामले को महिलाओं के सम्मान व संस्थागत जवाबदेही से जुड़ा बताते हुए कांग्रेस नेतृत्व से अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस दौरान प्रज्ञा मिश्रा, अंजुला अग्रहरी, कमलेश जायसवाल, क्षेत्रीय मंत्री डॉ. फरीदा इरम, ऋतु गुप्ता, रेशमा समेत महिला मोर्चा के आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

नौतनवा से दिल्ली और मुंबई के लिए चलेगी ट्रेन, नेपाल सीमा के लोगों के लिए बड़ी सौगात

संवाददाता—महराजगंज। नेपाल की सीमा से सटे जिलों को बड़ी सौगात मिलने वाली है। नौतनवा से जल्द ही दिल्ली और मुंबई के लिए सीधी ट्रेन शुरू होगी। उत्तर रेलवे जहां दिल्ली से गोरखपुर होते हुए नौतनवा तक नई ट्रेन चलाने की तैयारी में है। वहीं, एनईआर गोरखपुर से एलटीटी तक जाने वाली गोदान एक्सप्रेस को नौतनवा से चलाने की तैयारी कर रहा है। रेलवे बोर्ड ने इन दोनों ट्रेनों के लिए मंजूरी दे दी है।

रेल प्रशासन के अनुसार, दिसंबर से ये दोनों सेवाएं शुरू हो सकती हैं। रेलवे बोर्ड ने गोरखपुर से चलने वाली पांच ट्रेनों को विस्तारित कर दिसंबर माह से चलाने का फैसला लिया है। जिसमें नौतनवा रेलवे स्टेशन से मुंबई एलटीटी तक जाने वाली लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस भी शामिल है। नौतनवा रेलवे स्टेशन तक बड़ी लाइन का विस्तार हुए 10 साल से अधिक हो गए। इलेक्ट्रिक इंजन वाली ट्रेन भी संचालित होने लगी। बावजूद इसके यहां से ट्रेनों की संख्या नहीं बढ़ सकी थी। नौतनवा से अभी एकमात्र छत्तीसगढ़ के लिए नौतनवा–दुर्ग एक्सप्रेस चल रही है। अब नौतनवा से दिल्ली और मुंबई के लिए सीधी रेल सेवा शुरू हो जाने से जहां महराजगंज और सिद्धार्थनगर के लोगों को सहूलियत होगी, वहीं नेपाल के यात्रियों को भी काफी राहत होगी।

एलटीटी से गोरखपुर आकर गोदान एक्सप्रेस के नौतनवा चले जाने से गोरखपुर में भी प्लेटफार्म और आरक्षित लाइन खाली रहेगी। अभी गोरखपुर आने के बाद इस ट्रेन को छह से सात घंटे तक गोरखपुर में ही रोकना पड़ता है।

ये ट्रेन गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, बाराबंकी, ऐशबाग, कानपुर, टुंडला, इदगाह आगरा जंक्शन, सवाई माधोपुर जंक्शन, कोटा, रतलाम, बडोदरा, सूरत, वापी, पालघर, बोरीवली और मुंबई बांद्रा टर्मिनस पर रुकेगी।

त्योहारी सीजन में यात्रियों को सहूलियत देने के लिए कई स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा हुई है। उन्हीं में से एक बांद्रा–गोरखपुर स्पेशल ट्रेन है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने गाड़ी संख्या 09083 और 09084 बांद्रा टर्मिनस– गोरखपुर–बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से 18 व 25 अक्टूबर रविवार को और गोरखपुर से 20 और 27 अक्टूबर को गोरखपुर से चलेगी। ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से रविवार सुबह 4.30 बजे चलकर सोमवार सुबह 4.15 बजे ईदगाह जंक्शन और शाम 7.30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। ट्रेन गोरखपुर से सोमवार को रात 10.45 बजे चलकर अगले दिन दोपहर 12.15 बजे ईदगाह जंक्शन और बुधवार सुबह 11.15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। ट्रेन में 8 स्लीपर, 11 जनरल कोच लगे होंगे।

विवाहिता का शव संदिग्ध हालत में मिला

संवाददाता—बलरामपुर। हरैया सतघरवा के ललिया कस्बे में मंगलवार दोपहर 28 साल की रोली वर्मा का शव संदिग्ध हालत में एक मकान में छत के पंखे से दुपट्टे से लटका मिला। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रोली वर्मा ललिया गांव के दयानंद वर्मा की पत्नी थीं। उनके दो बेटे देवांश (5) और शिवांश (3) हैं। मंगलवार दोपहर बच्चे खेलकर दूसरी मंजिल पर पहुंचे तो उन्होंने मां का शव लटका देखा और परिजनों को सूचना दी। खबर फैलते ही गांव में भीड़ जमा हो गई। दयानंद वर्मा के बड़े भाई रामबाबू उर्फ काली प्रसाद की सूचना पर पुलिस पहुंची। रोली का मायका श्रावस्ती जिले के कटरा बाजार अंतर्गत चक्रभंडार गांव में जानचंद वर्मा के यहां है। पति दयानंद काम के सिलसिले में अक्सर बाहर रहते हैं। वह सात दिन पहले रोली को मायके से लाए थे और मंगलवार सुबह फिर काम पर चले गए थे। थाना निरीक्षक मृत्युंजय सिंह ने बताया कि नायब तहसीलदार संतोष राम यादव की मौजूदगी में पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद नियमानुसार कार्रवाई होगी।

छात्राएं बनेंगी ट्रैफिक वारियर, महिला सुरक्षा का भी संभालेंगी मोर्चा

संवाददाता—कुशीनगर। यातायात नियमों का पालन और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मंगलवार को नगर के गांधी चौक पर मिशन शक्ति फेज–6 के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। महिला पुलिस टीम के साथ एनसीसी और भारत स्काउट–गाइड की छात्राओं ने लोगों को यातायात नियमों के पालन और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली का शुभारंभ थानाध्यक्ष इत्यानंद पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर किया।

उन्होंने छात्राओं को बताया कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल, गलत दिशा में ड्राइविंग और तेज रफ्तार से बचना जरूरी है। नाबालिगों को वाहन नहीं चलाना चाहिए। छात्राओं से अपील की गई कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी जागरूक कर ट्रैफिक वारियर की भूमिका निभाएं।

महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस टीम ने बताया कि स्कूल, कालेज, बाजार या रास्ते में छेड़छाड़ होने पर 1090, 112 और 181 हेल्पलाइन की मदद ली जा सकती है। साइबर अपराध की स्थिति में 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई।

टीम ने पंफलेट वितरित कर 1090, 181, 1076, 112, 1098, 102, 108, 101 और 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं से इस जानकारी को परिवार, मोहल्ले और विद्यालय की अन्य छात्राओं तक पहुंचाने की अपील की ताकि जागरूकता का दायरा बढ़ सके। यातायात प्रभारी रमेश सिंह, चौकी प्रभारी मनोज द्विवेदी, उपनिरीक्षक प्रियंका तिवारी, कां. शिवानी दूबे, वंदना कुमारी, अनिता तिवारी, अरुणिमा पटेल आदि टीम में शामिल रहे।

छोटे मेडिकल स्टोर्स पर वेबसाइट की मार, राहत की मांग

संवाददाता—महराजगंज। फार्मेसी एण्ड फार्मासिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने छोटे मेडिकल स्टोर संचालकों पर निजी वेबसाइट बनवाने की अनिवार्यता से आर्थिक बोझ बढ़ने का मुद्दा उठाया है। जिलाध्यक्ष शेषमणि गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपकर निजी वेबसाइट के विकल्प के रूप में निःशुल्क विभागीय पोर्टल उपलब्ध कराने व दवाओं की कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग उठाई।

जिलाध्यक्ष ने खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग के छह अक्टूबर के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि मेडिकल स्टोरों को निजी वेबसाइट बनाकर उस पर साप्ताहिक स्टॉक व फार्मासिस्ट का विवरण अपडेट करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा प्रदेश में ऐसे हजारों छोटे मेडिकल स्टोर हैं, जिनकी दैनिक बिक्री महज एक सौ से पांच सौ रुपये तक है। सीमित आमदनी वाले दुकानदारों के लिए वेबसाइट बनवाने व उसका रखरखाव करने का खर्च उठाना मुश्किल है। इससे ग्रामीण व दूरदराज के क्षेत्रों में मेडि संगठन ने प्रदेश स्तर पर सरल व निःशुल्क विभागीय पोर्टल या एप शुरू करने की मांग की है। साथ ही छोटे दुकानदारों को इसी पोर्टल के माध्यम से स्टॉक व फार्मासिस्ट का विवरण अपडेट करने की सुविधा देने तथा जिला स्तर पर औषधि निरीक्षक कार्यालय से निःशुल्क प्रशिक्षण व तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि कुछ दवा कंपनियां फॉर्मूलेशन बदलकर डीपीसीओ के दायरे से बाहर दवाएं ऊंची कीमतों पर बेचती हैं। संगठन ने दवाओं की कीमतों की निगरानी, ट्रेड मार्जिन पर नियंत्रण व नियमों के उल्लंघन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग किया। इस दौरान आलोक पटेल, रवि प्रजापति, आलोक विश्वकर्मा, अनिल गुप्ता, चन्द्रकांत मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे। एसोसिएशन ने निजी वेबसाइट के विकल्प के रूप में निःशुल्क विभागीय पोर्टल उपलब्ध कराने और दवाओं की कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 फैजाबाद

मूलवाद सं0–380/2016

श्रीमती रुकमणी

बनाम

श्रीमती कलावती

1. श्रीमती कलावती पुत्री स्व0 ब्रम्हादीन पत्नी स्व0 काशीराम निवासी ग्राम नरियांवा परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला फैजाबाद हाल पता ग्राम भगवामीर परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला फैजाबाद

तारीख पेशी 16–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसल होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

बिजली के टावर पर मिला युवक का शव परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गोहना गांव में 132 केवी बिजली के टावर पर एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राजन के रूप में हुई है। वह सोमवार शाम से घर से लापता था। मंगलवार सुबह शव मिलने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों के मुताबिक, राजन के घर नहीं लौटने पर रात में उसकी तलाश की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने बिजली के टावर पर शव देखा और उसके माता–पिता छबिलाल व मालती को सूचना दी। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

ग्रामीणों के अनुसार, करीब छह महीने पहले राजन का गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग था। बताया जाता है कि उस दौरान वह युवती को लेकर चला गया था। युवती के परिवार के दबाव में राजन के परिजनों ने 1 लाख 80 हजार रुपये देकर मामला शांत कराने की बात कही है।

परिजनों ने युवती के परिवार पर राजन की हत्या करने का आरोप लगाया है। शव के पास मिले काले दुपट्टे को भी परिजन युवती का बता रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

प्रधानाध्यापक ने 113 बच्चों को भेंट किए निःशुल्क स्कूल बैग

–जनप्रतिनिधियों ने की अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने की अपील

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बनकटी ब्लॉक के कन्या प्राथमिक विद्यालय मुंडेरवा में प्रधानाध्यापक उमाकांत शुक्ल ने अपने सौजन्य से 113 बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग वितरित किए। बैग पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस पहल की अतिथियों ने सराहना करते हुए इसे बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने वाला कदम बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानाध्यापक द्वारा सभी 113 बच्चों को निःशुल्क बैग उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें निखारने और उचित अवसर देने की है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की। खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार यादव ने कहा कि बैग मिलने से बच्चों को पढ़ाई में सहूलियत होगी। सरकार की ओर से परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को नियमित विद्यालय भेजें और उनकी पढ़ाई पर ध्यान दें। थाना प्रभारी विश्व मोहन राय और प्राथमिक शिक्षक संघ बनकटी के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश गौड़ ने कहा कि अभिभावकों की देखरेख और सहयोग से ही बच्चों को सही दिशा मिलती है। सरकारी विद्यालयों में योग्य शिक्षक हैं। बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होने पर उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। उन्होंने अभिभावकों से शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। प्रधानाध्यापक उमाकांत शुक्ल ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार बच्चों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी बच्चों के हित में कार्य किए जाते रहेंगे। साथ ही अभिभावकों से अपने बच्चों का प्रवेश परिषदीय विद्यालयों में कराने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन सतीश यादव ने किया। इस अवसर पर मोहम्मद असलम, मक्खन लाल, हृदय विकास पांडेय, आलोक नाथ वर्मा, दुर्गेश सोनी, योगेंद्र सिंह, श्रीराम पाठक, छाया जायसवाल, सुभाष चंद, निधि चतुर्वेदी, एआरपी सूर्य नारायण चतुर्वेदी, सभासद सचिन चौधरी और विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष शिव लखन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

हर्रैया ब्लॉक परिसर में 5.93 करोड़ के आवासीय भवन का शिलान्यास

–विधायक अजय सिंह ने किया भूमिपूजन, बोले– विकास कार्यों को मिल रही नई गति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया ब्लॉक परिसर में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। यहां 5 करोड़ 93 लाख 71 हजार रुपये की लागत से बनने वाले आवासीय भवन का विधायक अजय सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन कर शिलान्यास किया। विधायक ने नारियल फोड़कर शिलापट्ट का अनावरण किया और निर्माण कार्य की शुरुआत की। इस परियोजना से क्षेत्र में आवासीय सुविधाओं के विस्तार के साथ प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने की उम्मीद है।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अजय सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाए, ताकि आम लोगों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें कार्य करने में सहूलियत होगी और प्रशासनिक कार्यों के संचालन में भी मदद मिलेगी। इसका सकारात्मक प्रभाव आम जनता को मिलने वाली सेवाओं पर भी पड़ेगा।विधायक ने कहा कि हर्रैया विधानसभा क्षेत्र में सड़क, शिक्षा और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कराए जा रहे हैं। क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराना भी जरूरी है, जिनसे सरकारी व्यवस्था अधिक प्रभावी बने और लोगों को बेहतर सेवाएं मिल सकें।उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। डबल इंजन की सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से काम कर रही है। हर्रैया में बनने वाला आवासीय भवन भी इसी विकास प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समयसीमा के भीतर इसे पूरा कराने पर जोर दिया, ताकि परियोजना का लाभ समय से मिल सके।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रमुख प्रतिनिधि योगेंद्र सिंह, श्रीश पाण्डेय, सरोज मिश्र, राघवेंद्र प्रताप पाण्डेय, संतोष गौतम, राज दत्त शुक्ल, मुन्ना सिंह प्रधान, राम सिंगार ओझा, विनय मिश्रा, राम अजोर राजभर, अमरनाथ सिंह, शिवम पाण्डेय, शिव चरन जायसवाल, विनय भारद्वाज, लवकुश चौबे, प्रदीप सिंह, धर्मध्वज सिंह सभासद, अखिलेश सिंह, सुरेश चौधरी, आशु सिंह, अंतेश सिंह, नीरज शुक्ल, मार्शल तिवारी, दीपक पाण्डेय, मनीष सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता सम्पन्न, बस्ती दक्षिणी बना ओवरऑल चैंपियन

–प्रतियोगिता में लगे शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को दो दिन का विशेष अवकाश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अमर शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय 17वीं जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता मंगलवार को संपन्न हुई। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए बस्ती दक्षिणी ने ओवरऑल चौंपियनशिप पर कब्जा जमाया, जबकि हर्रैया उपविजेता रहा। बालक वर्ग में बस्ती दक्षिणी और बालिका वर्ग में हर्रैया चौंपियन बना।समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। आयोजक प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार उपाध्याय और हरिराम बंसल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में योगदान देने वाले शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट किए। सह जिला विद्यालय निरीक्षक अनूप कुशवाहा ने शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए उनके लिए दो दिन के विशेष अवकाश की घोषणा की।

पैदल चाल के सीनियर बालक वर्ग में हर्रैया के मोहित, जूनियर बालिका वर्ग में बस्ती उत्तरी की अक्षिता ओझा तथा जूनियर बालक वर्ग में बस्ती दक्षिणी के आकाश प्रथम रहे। चार गुणा 100 मीटर रिले के अंडर–14 बालक एवं बालिका वर्ग में बस्ती दक्षिणी ने प्रथम स्थान हासिल किया। अंडर–17 बालक वर्ग में बस्ती उत्तरी और बालिका वर्ग में बस्ती दक्षिणी विजेता रहा। अंडर–19 बालक वर्ग में बस्ती उत्तरी तथा बालिका वर्ग में हर्रैया की टीम प्रथम रही।प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान किया और खेल भावना, अनुशासन तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश दिया। प्रतियोगिता के संचालन में जनपदीय क्रीड़ा समिति के सचिव अमित कुमार यादव, प्रभाकर ओझा, संतोष कुमार पांडेय, माता प्रसाद त्रिपाठी सहित समिति के सदस्यों और जनपद के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायक की भूमिका अरविन्द शेखर त्रिपाठी, विवेक कुमार श्रीवास्तव, रमेश चन्द्र गुप्ता, अरुण कुमार, सुनील विश्वकर्मा, अभिषेक कुमार, पद्मपाणि पाठक, अखिलेश कुमार वर्मा, सुभाष यादव, राजकुमार यादव, हरीश सिंह, प्रदीप कुमार त्रिपाठी और अमित कुमार मिश्रा सहित जनपद के समस्त शारीरिक शिक्षा शिक्षकों ने निभाई।

कार्यक्रम का संयुक्त संचालन वेद प्रकाश द्विवेदी और अजय कुमार वर्मा ने किया। समापन समारोह में राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. विजय प्रकाश, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, सीडीपीओ बलराम सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य राम नरेश मंजुल, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी दिलीप कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गंदगी देख नाराज हुए नगर आयुक्त पांच सफाई कर्मचारी हटाए

संवाददाता–गोरखपुर। नगर आयुक्त अजय जैन ने मंगलवार को हरसेवकपुर वार्ड में साफ–सफाई, पेयजल व्यवस्था तथा निर्माणाधीन सड़क, नाली एवं पार्कों के विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गंदगी मिलने पर पांच सफाई कर्मचारियों को हटाने का निर्देश दिया। वहीं 15 दिन के अंदर पेयजल कनेक्शन देने का निर्देश जलकल के जिम्मेदारों को दिया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त को जगह–जगह गंदगी दिखी। जोनल अधिकारी को लापरवाह पांच पांच सफाई कर्मचारियों हटाने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने त्वरित आर्थिक विकास योजना से कराए जा रहे सीसी सड़क एवं आरसीसी नाली निर्माण का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त सोना सिटी कॉलोनी में गीता शंकर दुबे के मकान से राम जी यादव के मकान होते हुए गांधीनगर कॉलोनी गेट तक तथा विभिन्न गलियों में चल रहे सीसी सड़क एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त ने अधिशासी अभियंता को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण से पहले पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा करने का निर्देश दिया। पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान सहायक अभियंता जलकल राकेश यादव ने बताया कि वार्ड में कुल आठ किलोमीटर लंबी पेयजल पाइपलाइन बिछाई जानी है, जिसमें से लगभग 5,800 मीटर पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। 15 दिनों के भीतर नलकूप चालू कर दिया जाएगा। इस पर नगर आयुक्त ने 15 दिन के अंदर वार्डवासियों को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

नगर आयुक्त ने 15वें वित्त आयोग की योजना के अंतर्गत स्वीकृत सोना सिटी स्थित पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत हरसेवकपुर में निर्माणाधीन साहित्य पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता अमरनाथ, सहायक नगर आयुक्त सुरेंद्र प्रताप सिंह, जोनल सेनेटरी अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव, सहायक अभियंता जलकल राकेश यादव, अवर अभियंता आशीष तिवारी आदि उपस्थित रहे।

एमजीयूजी में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मंगलवार को योगाभ्यास कार्यक्रम हुआ। इसमें श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में संचालित स्वामी विवेकानंद इकाई के स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। योग प्रशिक्षक चंद्रजीत यादव ने स्वयंसेवकों को विभिन्न योगासनों एवं योगाभ्यास के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि योग शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ मानसिक संतुलन, एकाग्रता एवं सकारात्मक सोच विकसित करने में भी सहायक है। आयोजन में क्रीड़ाधिकारी जयंत गंगवार, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी अनिल पटेल की सक्रिय सहभागिता रही।

विधायक ने बिजली अधिकारियों संग की बैठक

संवाददाता–संतकबीरनगर। विधायक अनिल त्रिपाठी ने मेंहदावल के विद्युत उपकेंद्र में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक का मकसद मेंहदावल क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाना और लोगों को लगातार बिजली देना था। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। इनमें लो–वोल्टेज और ओवरलोडिंग की दिक्कत खत्म करने के लिए ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाना शामिल है। साथ ही, श्बांस–बल्ली मुक्तिश योजना के तहत बांस के सहारे चल रही बिजली लाइनों को हटाकर नए पोल लगाए जाएंगे। सुरक्षा के लिए पुराने और खराब तारों को बदलकर नई केबल लगाने का काम भी सबसे पहले किया जाएगा। अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि जनता को अच्छी बिजली मिले और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान हो। बैठक में अधिशासी अभियंता, सभी अवर अभियंता और बिजली विभाग के दूसरे अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

रास्ता बंद होने से चटोरी गली का कारोबार 60: तक घटा, बुधवार को दुकानें बंद रखकर व्यापारी जताएंगे विरोध

संवाददाता–गोरखपुर। गोलघर स्थित प्रसिद्ध चटोरी गली में रास्ता बंद होने से व्यापारियों के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है। व्यापारियों का दावा है कि नगर निगम की ओर से करीब डेढ़ साल से गली के दोनों ओर बैरियर लगाए जाने से उनका कारोबार 50 से 60 प्रतिशत तक घट गया है। समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज व्यापारियों ने बुधवार को सभी दुकानें बंद रखकर विरोध दर्ज कराने का एलान किया है।

समस्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष नितिन कुमार जायसवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने कहा कि सुंदरीकरण और फसाड निर्माण के नाम पर रास्ता बंद कर दिया गया है। इसे खुलवाने के लिए नगर आयुक्त, जिलाधिकारी, मेयर, पार्षद समेत संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिया गया। मंगलवार को भी अधिकारियों से मुलाकात की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। व्यापारियों का कहना है कि जिलाधिकारी के रास्ता खोलने के निर्देश के बावजूद बैरियर नहीं हटाए गए हैं।

व्यापारियों ने चेतावनी दी कि जब तक दोनों ओर से बैरियर हटाकर पहले की तरह आवागमन बहाल नहीं किया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। बंदी के एलान के दौरान अनिल अग्रवाल, अमन यादव, दिग्विजय सिंह, नवीन सिंह, सुशील अग्रवाल, जिशान अहसन, पुनीत जिंदल, प्रदीप टेकरीवाल, राजकुमार गुप्ता, जमाल अहमद, दीपक जालान, इसरार अहमद, अनिल सिंह, अनूप सिंह, जफर, धनंजय पांडेय और रवि समेत अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

विकास कार्यों में फर्जी हाजिरी की जांचः 10 टीमें गठित

संवाददाता–संतकबीरनगर। नाथनगर ब्लॉक में विकास कार्यों और मजदूरों की जांच के लिए 10 टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें 103 ग्राम पंचायतों में जाकर मौके पर स्थिति देखेंगी और अपनी रिपोर्ट देंगी। खंड विकास अधिकारी कुलदीप कुमार ने बताया कि सोमवार को रोजगार सृजन दिवस पर 16 हजार मजदूरों को काम देने का लक्ष्य था। सर्वर डाउन होने के बावजूद 10 हजार से ज्यादा मजदूरों की हाजिरी लगी। उन्होंने और जिला नोडल अधिकारी ने खुद मौके पर जाकर मजदूरों की मौजूदगी जांची। बीडीओ ने कहा कि जांच का मकसद रोजगार देना, काम की गुणवत्ता और योजना में पारदर्शिता लाना है। फर्जी हाजिरी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसमें गड़बड़ी मिलने पर संबंधित सचिव, रोजगार सेवक और तकनीकी कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी कर्मचारियों को काम वाली जगहों पर मौजूद रहने और मजदूरों को जल्द काम देने के निर्देश दिए।

हत्या के आरोप में मां–बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार किया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र के बनखोदवा गांव में सुषमा उर्फ गुड़िया हत्याकांड में पुलिस ने नामजद मां–बेटे को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान गांव निवासी अजय निषाद (24) पुत्र राजेश निषाद और अनीता निषाद (40) पत्नी राजेश निषाद के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 12 अक्टूबर को बनखोदवा गांव में सुषमा उर्फ गुड़िया की लकड़ी की थुन्ही से प्रहार कर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद मृतका के पति और बच्चों को जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया था। शिकायत के आधार पर भीटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई करते हुए 13 अक्टूबर की रात करीब 1:30 बजे अजय निषाद को गिरफ्तार किया। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर महिला पुलिसकर्मी की मदद से अनीता निषाद को भीटी कस्बे से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने घटनास्थल से खून लगी सूखी लकड़ी और उसका एक टुकड़ा बरामद किया है। इसके अलावा खून लगी मिट्टी, सादी मिट्टी, ब्लड स्वैब और सैंपल स्वैब भी कब्जे में लिए गए हैं। पुलिस ने दो कीपैड मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अजय निषाद के पास से घटना के समय पहने गए नेकर और टी–शर्ट भी बरामद किए गए हैं। मां–बेटे की गिरफ्तारी और घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस मामले की विवेचना आगे बढ़ा रही है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–106/2025
श्रीमती दर्शना देवी (मृतक) आदि
बनाम
राधेश्याम आदि
1– राधेश्याम उम्र लगभग 56 साल 2– रामकिसुन उम्र लगभग 58 साल पुत्रगण गयादीन निवासीगण ग्राम जगदीशपुर तप्पा कपरी महसों परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षीगण प्रथम वर्ग
3–श्रीमती जावित्री देवी (मृतक) 3/1– बुद्धि सागर उम्र लगभग 88 साल पुत्र अयोध्या प्रसाद 3/2– देवन्द्र उम्र लगभग 61 वर्ष 3/3– जीतेन्द्र उम्र लगभग 56 साल 3/4– संन्तोष उम्र लगभग 51 वर्ष 3/5– अजय कुमार उम्र लगभग 46 साल पुत्रगण बुद्धि सागर निवासीगण ग्राम जगदीशपुर तप्पा कपरी महसों परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 14–12–2026
हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 14 माह 12 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–123/2026
सूर्य प्रकाश
बनाम
रामऔतार आदि
1. राम औतार उम्र करीब 30 साल 2. हनुमान उम्र करीब 35 साल पुत्रगण रामअजोर साकिन चुईलकाजी तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. ज्योति प्रकाश उर्फ ज्योतिष प्रकाश उम्र करीब 60 साल पुत्र बद्री प्रसाद ग्राम बैजलपुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 4. नवीन कुमार पाण्डेय उम्र करीब 35 साल पुत्र ओंकारनाथ पाण्डेय साकिन बैजलपुर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 5. कमला प्रसाद आयु करीब 40 साल 6. महेन्द्र प्रसाद आयु करीब 35 साल 7. देवेन्द्र कुमार आयु करीब 30 साल 8. नरेन्द्र कुमार आयु करीब 25 साल पुत्रगण गया प्रसाद साकिनान मौजा सोनबरसा तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 18–12–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी कु0 प्रतिमा पत्नी श्री अमित कुमार ग्राम– व पोस्ट– केवाडी मुस्तहकम दामोदरपुर गौसपुर जनपद बस्ती (उ.प्र.) की निवासिनी है। आधारकार्ड में मेरा नाम त्रुटिबश कु0 प्रतिभा हो गया है जो गलत है, उसे कु0 प्रतिमा कराया जाय।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान विशेष न्यायाधीश/भ्रष्टाचार निवारण अधि0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल निगरानी सं0–62/2024
अलीमुल्लाह
बनाम
तुफैल अहमद आदि
1. जमील अहमद 2. रसूल अहमद 3. इरसाद अहमद पुत्रगण स्व0 जमीरूल्लाह साकिनान मुड़हरा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 17–11–2026
चूंकि उपरीनामांकित वादी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 11 के 17 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 313/2025
शीतला प्रसाद
बनाम
रामलौट आदि
1. रामलौट उम्र 62 साल पुत्र राम अवध साकिन रखिया, तप्पा नवाई, परगना नगर पश्चिम, तहसील हरैया, जिला बस्ती
– विपक्षी प्रथम वर्ग
6. राम भवन उम्र 50 साल पुत्र राम लगन निवासी साकिन रखिया, तप्पा नवाई, परगना नगर पश्चिम, तहसील हरैया, जिला बस्ती
– विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 02–12–2026
हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 02 माह 12 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com